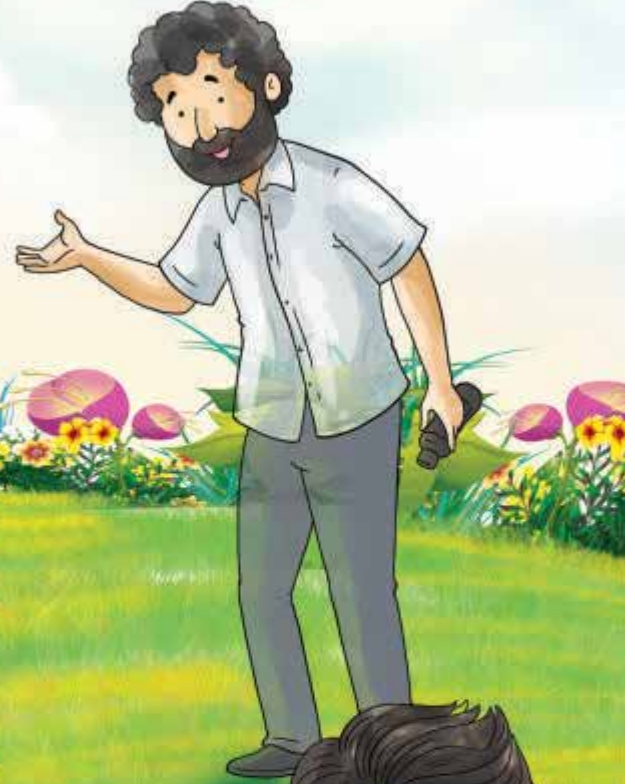
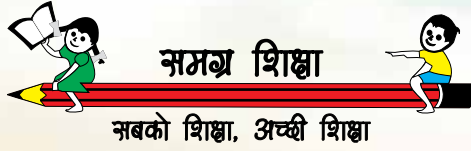


# हमारी सुरक्षा हमारे हाथ



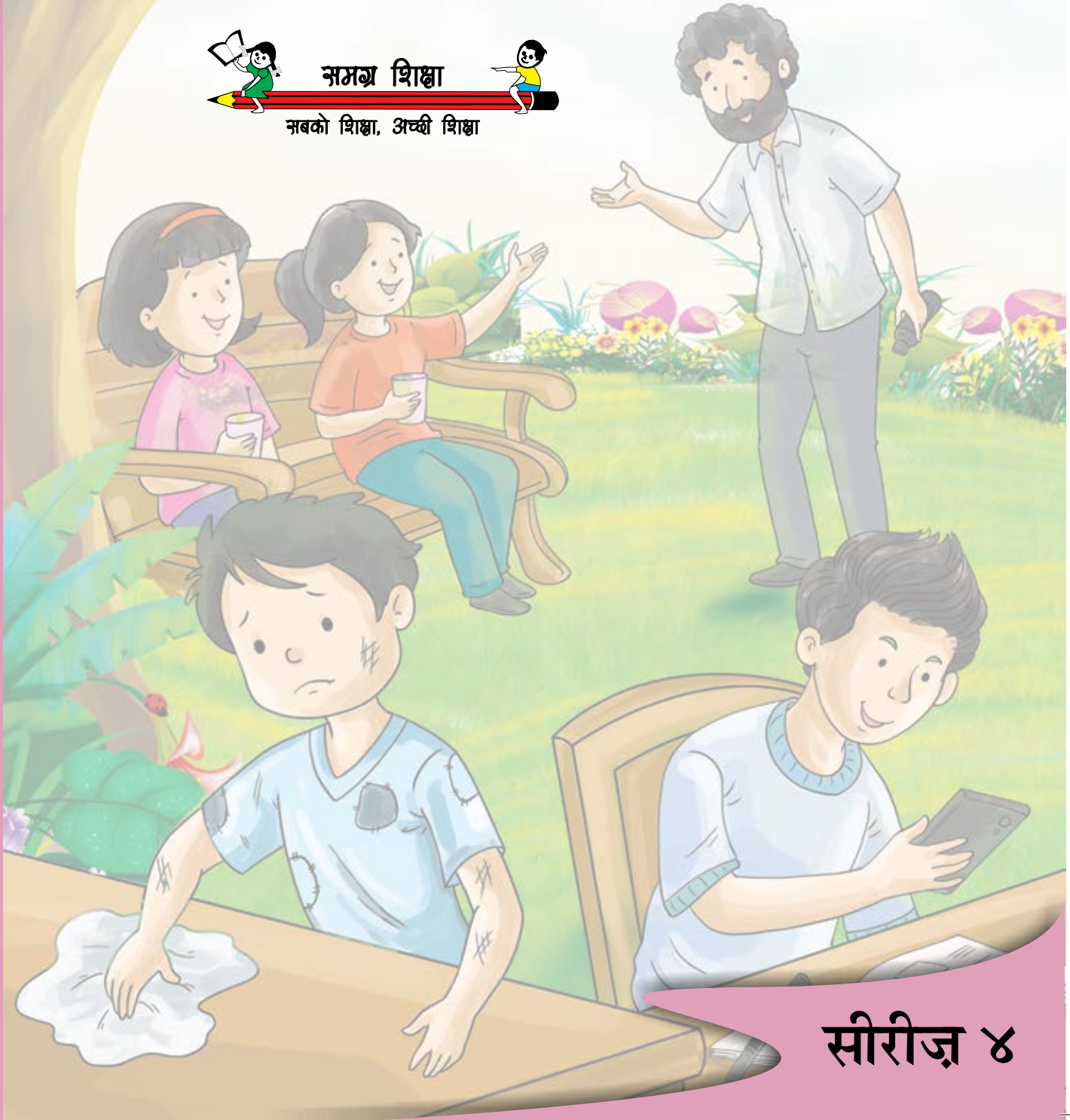
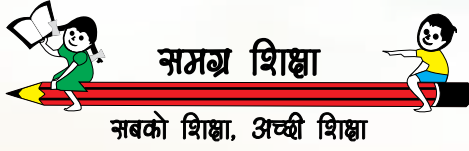
सीरीज़ ४

प्रस्तुत कॉमिक्स सीरीज़ 'हमारी सुरक्षा-हमारे हाथ' सभी उम्र के बच्चों को ध्यान में रखते हुए बड़े ही रोचक ढंग से लिखी गई है। इसमें वर्तमान समय से जुड़े विषय और जरूरी बातें, जैसे कि मोबाइल प्रयोग, साइबर अपराध, चाइल्ड ट्रैफिकिंग, सतर्कता, प्राकृतिक आपदाएँ, अजनबी से सावधानी एवं कोरोना महामारी से बचाव आदि के बारे में रोमांचक एवं आकर्षक अंदाज़ में बताया गया है। आपको कॉमिक्स के मुख्य पात्रों से सहजता से जुड़ाव महसूस होगा, क्योंकि ये सभी जाने-पहचाने एवं आधुनिकता का पुट भी लिए हुए हैं। भाषा को पाठकों की उम्र के अनुरूप ही सहज एवं सरल बनाया गया है। इन कॉमिक्स को पढ़ने से ज्ञानवर्धन, सजगता, बचाव के उपाय, सही-गलत की बेहतर समझ एवं जागरूकता जैसी क्षमताओं का अधिकाधिक विकास होगा। तो चलिए, इस रोमांच एवं ज्ञान से भरे एक मजेदार सफर की शुरुआत करते हैं...





# हमारी सुरक्षा हमारे हाथ



सीरीज़ ४

हमारी सुरक्षा-हमारे हाथ सीरीज़

ISBN : 978-93-93667-33-5

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

मार्च, 2022

(36000 प्रतियाँ)

---

प्रकाशित : राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली  
मुद्रित: एजुकेशनल स्टोर्स गाजियाबाद (उ.प्र.)

## मैं पढ़ रहा हूँ, मम्मी



मम्मी स्वयं दरवाज़ा खोलने जाती हैं। सफाई वाले को उसके पैसे देती हैं।















परीक्षा समाप्त होने के बाद एक दिन समीर अपने खास दोस्त अमन से एक रेस्टोरेंट में मिलता है।





वेटर खाना लेकर आता है। अमन समीर का ध्यान खाने की ओर खींचता है, तो समीर खाने की फोटो सोशल मीडिया पर डालकर खुश होता है।

एक सैल्फी हो जाये।

वो तो ठीक है, पर ये बता तुझसे बात करने के लिए मुझे दस बार फोन क्यों करना पड़ता है? क्या करता रहता है तू? सोशल मीडिया पर कम एक्टिव रहा कर।



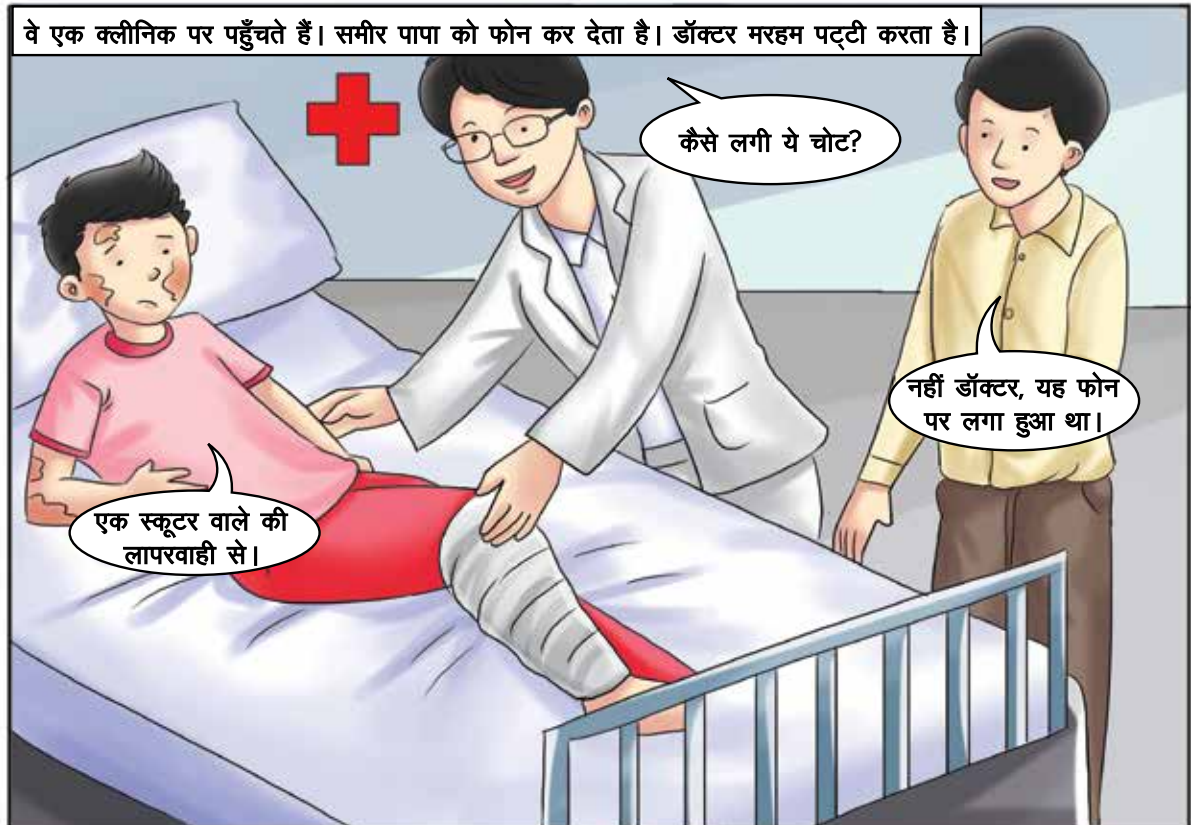
दोनों दोस्त अपनी पसंद की चीजें खाते हैं। खूब बातें करते हैं।

कितनी बार कहा, हर समय फोन पर व्यस्त मत रहा कर।



खाने-पीने के बाद समीर फिर से फोन देखने लगता है। फोन पर ध्यान होने के कारण वह रैस्टोरेंट की सीढ़ियों से गिरते-गिरते बचता है।





समीर अपनी मरहम पट्टी की फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डालता है।



कुछ दिनों बाद समीर का परीक्षा परिणाम आता है। वह फेल हो जाता है। उसके पापा उसका फोन ले लेते हैं। वह उदास रहने लगता है।



एक दिन अमन, समीर से मिलने आता है।





स्कूल खुलने पर अमन समीर के बारे में सारी बातें अपने कक्षा-अध्यापक को बताता है।



अगले दिन...











कुछ दिनों बाद समीर अमन को फोन करता है।





## बच गई किशमिश

किशमिश अपने दोस्तों के साथ स्कूल में लंच टाइम में खाना खा रही है।



अगले पीरियड में किशमिश सबसे अलग उदास बैठी है।



किशमिश के घर पहुँचने के कुछ देर बाद...



उसके फोन पर एक नोटिफिकेशन आता है।





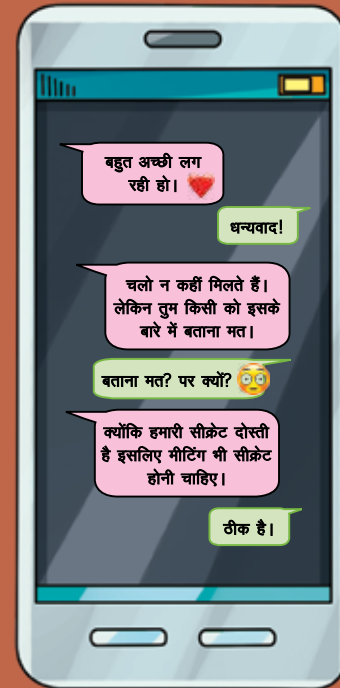
किशमिश फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार कर लेती है।



उनकी रोज़ बात होने लगती है।



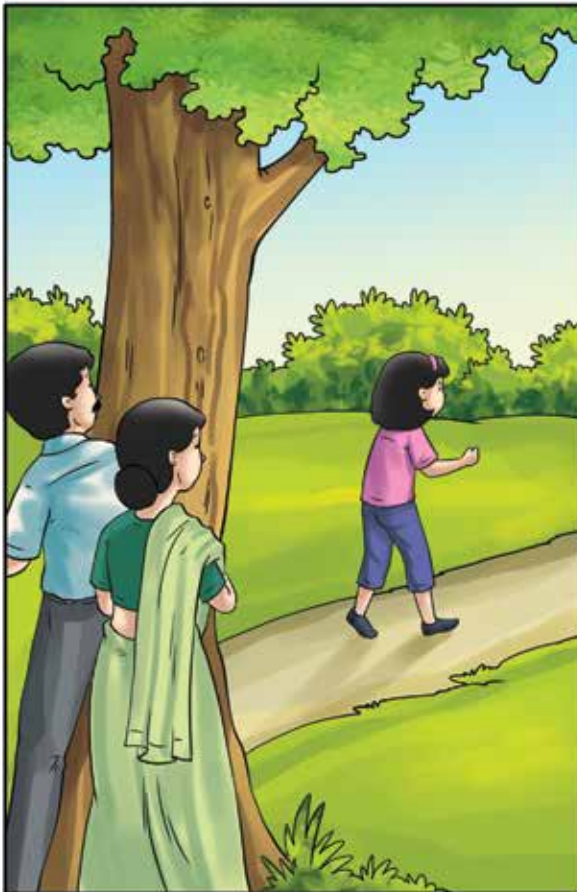
अगला दिन...







पापा को शक होता है...



तभी...



रोज़ी तुम!!! मैंने सोचा तुम नहीं आओगी।

आती कैसे नहीं? तुम ही तो मेरी खास दोस्त हो।



...

...



देखो! किशमिश दोस्त से ही मिलने आई है। तुम बेकार में शक कर रहे थे।



हाँ बाबा, ठीक है... मान लिया... इतना समझदार होता तो तुमसे ही शादी करता? हा.हा.हा...

तभी पापा का फोन बजता है।

हैलो...!













सब मिलकर एक वीडियो देखते हैं।

- हमें अपना नाम, फोन नम्बर, पता और विद्यालय जैसी निजी जानकारी किसी अजनबी के साथ साझा नहीं करनी चाहिए... खासकर ऑनलाइन।
- अपनी फोटो किसी अजनबी को नहीं भेजनी चाहिए।

पुलिस अंकल, अगर वो मुझे पकड़ लेते तो क्या होता?

चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर  
1098

बेटा, ये लोग बच्चों को अपने चंगुल में फँसाकर उनसे बहुत से गैर-कानूनी काम करवाते हैं। कुछ बच्चों से ज़बरदस्ती घरों, ढाबों आदि पर काम करवाया जाता है। उनसे नशीले पदार्थों जैसे ड्रग्स का लेन-देन करवाया जाता है। कुछ मामलों में तो इन्हें वेश्यावृत्ति तथा भीख मँगाने जैसे अनैतिक कार्यों में भी धकेल दिया जाता है।

समाप्त



## आवाज़ उठाओ, जीवन बचाओ







नैसी अपने मम्मी-पापा के पास जाती है।



पापा, मम्मी उठो।

क्या बात है,  
नैसी बेटा?

नैसी उनको जल्दी-जल्दी सारा किस्सा बताती है।



देखो नैसी! जो तुम कह  
रही हो, यदि वो सही भी  
हो तो हम क्या कर  
सकते हैं?



मम्मी, इतनी रात को कोई बच्चा  
क्यों रोयेगा? उसको हमारी  
मदद की आवश्यकता है।



हाँ, मम्मी आपको चलना चाहिए  
और पता करना चाहिये कि आखिर  
बच्चा क्यों रो रहा है?

तुम क्या चाहती हो नैसी?  
इतनी रात हम किसी के  
घर पर जायें।

नैसी और उसके मम्मी-पापा सामने वाले घर पर चले जाते हैं।













मि. भार्गव सभी के साथ नैसी के पड़ोसी के घर में जबरन घुस जाते हैं।

क्या बात है। आप लोग कौन हैं? अन्दर कैसे चले आये।



हम लोग DCPCR के सदस्य हैं और ये आपके पड़ोसी, इन्हें तो आप जानती होंगी।



हाँ तो। क्या करें?

आप क्या करेंगी। करेंगे तो हम। आप बस देखती रहो।



बेटा डरने की कोई आवश्यकता नहीं है बताओ तुमको ये चोटें कैसे लगीं।













तुम्हें पता होना चाहिये कि प्रत्येक बालक को जीवन, सहभागिता, सुरक्षा, शिक्षा और विकास का अधिकार है। और यदि कोई व्यक्ति, बालक के इस अधिकार को छीनता है, तो उसके लिये कठोर सज़ा का प्रावधान है।



और, उसके लिये तुम दोनों तैयार रहो, अब।

हमें माफ़ कर दो, आगे से हम ऐसा कुछ नहीं करेंगे, जिससे बच्चे को कोई तकलीफ़ हो।



आगे से मतलब? तुम दोनों तो जेल जा रहे हो और ये बच्चा अब हमारे पास रहेगा।

धन्यवाद बेटी, तुम्हारी सतर्कता और समझदारी से हम एक बच्चे को बचा पाए।



धन्यवाद, मिस्टर पंकज, जो आपने मामले की गंभीरता को देखते हुये हमें इस बारे में बताया।

धन्यवाद की आवश्यकता नहीं, मि. भार्गव। यह तो हर नागरिक का कर्तव्य है।



बच्चे देश का भविष्य हैं, इनकी सुरक्षा और देखभाल तो हमारा कर्तव्य है।

समाप्त





### दिशाबोध

श्री एच. राजेश प्रसाद, प्रधान सचिव (शिक्षा), दिल्ली  
श्री रजनीश सिंह, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली



### शैक्षणिक सलाहकार

डॉ. नाहर सिंह, संयुक्त निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

### समन्वयक

श्रीमती शिल्पा सूद, असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

### योगदानकर्ता

डॉ. नाहर सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली  
श्रीमती शिल्पा सूद, असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली  
डॉ. धीरज कुमार राय, असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली  
श्रीमती तपश्री, असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली  
श्री मनोज कुमार, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (विशेष शिक्षा), शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार  
श्रीमती नीरज कुमारी, सहायक शिक्षक (प्राथमिक), शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार  
श्री सुभाष रावत, लेखक/ड्रामा इन एजुकेशन विशेषज्ञ

### पुनरीक्षण दल

डॉ. डी.डी. अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), दिल्ली विश्वविद्यालय  
श्री बी. सी. नरूला, वरिष्ठ परामर्शदाता, डी. सी. पी. सी. आर  
श्री दिनेश कुमार शर्मा, व्याख्याता (हिन्दी), शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार

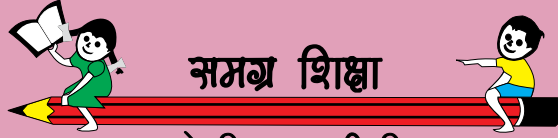
### चित्रांकन

श्री ललित मौर्या

### प्रकाशन अधिकारी

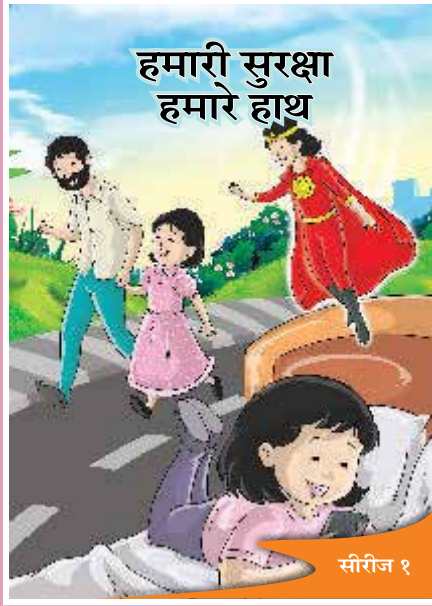
डॉ. मुकेश यादव, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली





# समग्र शिक्षा

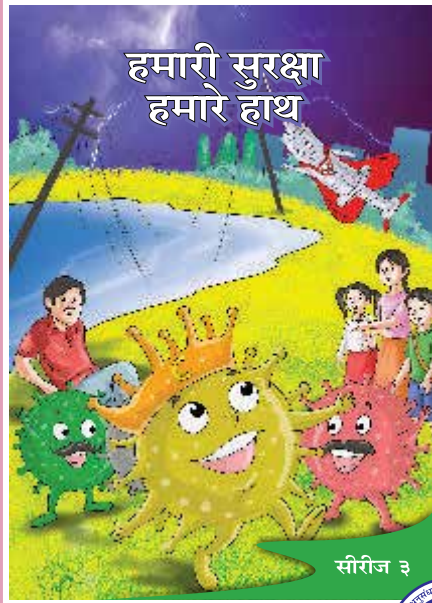
सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा



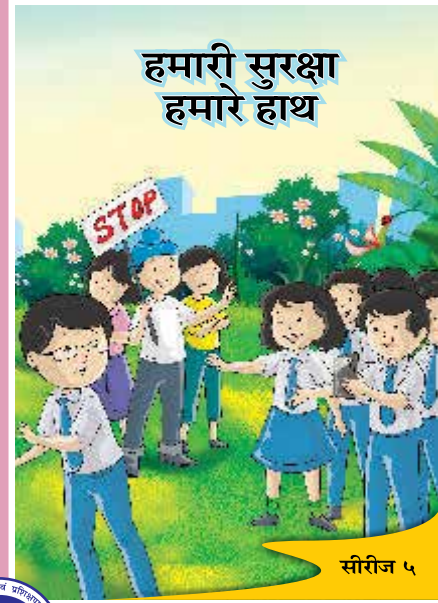
सीरीज १



सीरीज २



सीरीज ३



सीरीज ५



स्वाध्यायान्ता प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली  
डिफेंस कॉलोनी, वरुण मार्ग, नई दिल्ली-110024